# A-0401

**Total Pages : 4** **Roll No. ----------**

# MAJY-602

## *ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार–01*

**MA Jyotish (MAJY)**

3rd Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

## खण्ड–'क'

## (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. यदि आश्रृषा नक्षत्र भयात ४०/३५, भभोग ६०/३० है तो विंशोत्तरी दशा साधन कीजिए।

Q.2. लग्नाधियोग के लक्षण एवं फल को लिखिए।

Q.3. दारिद्र्य योगों का विवेचन कीजिए।

Q.4. चंद्र कृत राज योगों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Q.5. योगिनी दशा आनयन की विधि का निरूपण कीजिए।

## खण्ड–'ख'

## (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा अंतर्दशा एवं प्रत्यंतर दशा के आनयन विधि को लिखिए।

Q.2. दल एवं आकृति योगों के लक्षण लिखिए।

Q.3. वेशि, वाशी एवं उभयचरी योगों के लक्षण एवं फल बताईए।

Q.4. लग्नानुसार मारकेशों का निर्णय कैसे किया जाता है? प्रतिपादन कीजिए।

Q.5. पंच महापुरूष योगों के लक्षण एवं फल को लिखिए।

P.T.O.

Q.6. शकट, हल एवं समुद्र योगों के लक्षण को बताइए।

Q.7. गजकेसरी योग एवं अमला योग के लक्षण एवं फल का प्रतिपादन कीजिए।

Q.8. मृदंग योग, श्रीनाथ योग एवं शारद योग के लक्षण एवं फल का निरूपण कीजिए।

**********